



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II --खण्ड 3 --उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3 —Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 236]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 23, 1979/श्रावण 1, 1901

No. 236]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 23, 1979/SRVANA 1, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1979

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां०कां०वि० 455(अ) :--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क
और नमक अधिनियम, 1944(1944 का 1) की धारा 37 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम,
1944 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती
है, अर्थात् :--

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (18वां
संशोधन) नियम, 1979 है ।

(2) ये तारीख 1 अगस्त, 1979 को प्रवृत्त होंगे ।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173-तक
के स्थान, पर निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, अर्थात् :--

"173-तक --अधिनियम की प्रथम अनुसूची की मद सं०

68 में आने वाले उत्पाद-शुल्क योग्य माल की बाबत इस
अध्याय के उपबन्धों को शिथिल करने की शक्ति ।

(1) अधिनियम की प्रथम अनुसूची की मद सं० 68 में आने
वाले उत्पाद-शुल्क योग्य माल के संबंध में, नियम 173 का से 173-
तक के उपबन्ध, उन नियम (2) से (3) तक में विनिर्दिष्ट
उपांतरणों के अधीन रहते हुए, लागू होंगे ।

(2) कलक्टर अधिनियम की प्रथम अनुसूची की मद सं० 68
में समाविष्ट उत्पाद-शुल्क योग्य माल का ऐसे प्रवर्गों में
समूहबद्ध अनुज्ञात कर सकेंगा जैसा वह, किसी निर्धारित या किसी वर्ग
के निर्धारणों द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसे माल की संख्या और स्वरूप को
ध्यान में रखते हुए, इस बाबत विनिर्दिष्ट करे और यदि ऐसा कोई
प्रवर्ग इस प्रकार विनिर्दिष्ट कर दिया जाता है तो इन नियम में आगे
प्रयुक्त 'उत्पाद-शुल्क योग्य माल' के पद से, इस नियम के अधीन
अपेक्षित किसी लेखा के (फिल्टर नाम लेखा के लिये नहीं) या किसी
विवरणों या किसी अन्य दस्तावेज के प्रयोजन के लिये, जब तक कि
सर्वप्रथम से अन्यथा अपेक्षित न हो, उक्त प्रवर्ग का न कि किसी अन्य
प्रवर्ग का, उत्पाद-शुल्क योग्य माल अभिप्रेत होगा ।

(3) यदि निर्धारित मास की समाप्ति से सात दिन के भीतर
कोई मासिक विवरणी, विहित प्रारूप में, फाइल करने में
असमर्थ है तो कलक्टर साधारण या विशेष प्रादेश द्वारा और कारणों
को लेखबद्ध करके, निर्धारित मास की समाप्ति पर अन्तिम विवरणी और
अन्तिम विवरणी ऐसे समय के भीतर, जो कलक्टर आदेश में विनिर्दिष्ट करे,
फाइल करने की अनुज्ञा दे सकेगा ।

(4) यदि निर्धारित, नियम, 8 के अधीन जारी की गई अधिसूचना के अधीन अनुमान रूप में बीजक-मूल्य के आधार पर माल का निर्धारण करना है तो नियम 173-ग के अधीन मूल्य सूची प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं होगा।

(5) यदि किसी कारणवश, माल हटते समय शुल्क का परिमाण अवधारित नहीं किया जा सकता है तो शुल्क को ऐसी रीति से और ऐसे समय पर समायोजित किया जायेगा जैसा कलक्टर, प्रत्येक मामले में, आदेश द्वारा उसके लिये कारण लेखबद्ध करके, निर्देश करे।”

के०डी० तायल, सचिव

[अधिसूचना सं० 235/79-सी०ई०/का०सं० 202/18-एम०/77-सं० एक्स 6]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 23rd July, 1979

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 455(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excises Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (18th Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the 1st day of August, 1979.

2. For rule 173-PP of the Central Excise Rules, 1944 the following rules shall be substituted, namely :—

“173-PP. Power to relax provisions of this Chapter in respect of excisable goods comprised in Item No. 68 of the First Schedule to the Act.

(1) In relation to the excisable goods comprised in item 68 of the First Schedule to the Act, the provisions of rules 173-B to 173-P shall apply subject to the modifications specified in sub-rules (2) to (5).

(2) The Collector may allow grouping up of the excisable goods comprised in Item No. 68 of the First Schedule to the Act, into such categories as he may, having regard to the number and nature of such goods manufactured by an assessee or class of assessee, specify in this behalf and where any such category has been so specified, the expression ‘excisable goods’ hereinafter used in this rule shall, for the purpose of any account (but not the account-current) or any return or any other document required under this rule, mean, unless the context otherwise requires, excisable goods of that category and no other.

(3) Where an assessee is unable to file a monthly return in the proper Form within seven days of the close of the month the Collector may by general or special order and for reasons to be recorded in writing allow the assessee to file a provisional return at the close of the month and file the final return within such time as shall be stipulated by the Collector in the order.

(4) Where an assessee is assessing the goods on the basis of invoice-value as permitted under a notification issued under rule 8, submission of a price-list under rule 173-C shall not be necessary.

(5) Where the quantum of duty cannot be determined at the time of removal of goods, for any reason, the duty shall be adjusted in such manner and at such time as the Collector may direct by an order in each individual case for reasons to be recorded in writing.”

[Notification No. 235/79-CE./F. No. 202/18-M/77-CX. 6]

K. D. TAYAL, Under Secy.